

Methi Ke 50 Madani Phool (Hindi)

मेथी के 50 म-दनी फूल



शैखे तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा 'वते इस्लामी, हज़रते अल्लामा मौलाना अबू बिलाल

मुहम्मद इल्यास अत्तार क़ादिरि र-ज़वी حکیم الشافعی

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

किताब पढ़ने की दुआ

अज : शैखे तरीकत, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी, हज़रते अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अत्तार कादिरी र-जवी दَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَهُ

दीनी किताब या इस्लामी सबक पढ़ने से पहले जैल में दी हुई दुआ पढ़ लीजिये إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ जो कुछ पढ़ेंगे याद रहेगा। दुआ येह है :

اللَّهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَأَنْشُرْ
عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْإِكْرَامِ

तरजमा : ऐ अब्बाह! عَزَّوَجَلَّ! हम पर इल्मो हिकमत के दरवाजे खोल दे और हम पर अपनी रहमत नाज़िल फ़रमा ! ऐ अ-ज़मत और बुजुर्गी वाले। (المستطرف ج 1 ص 10، دار الفكر بيروت)

नोट : अव्वल आखिर एक एक बार दुरूद शरीफ़ पढ़ लीजिये।

तालिबे गुमे मदीना
व बकीअ
व मरिफ़रत
13 शब्वालुल मुकर्रम 1428 हि.



मेथी के 50 म-दनी फूल

येह रिसाला (मेथी के 50 म-दनी फूल)

शैखे तरीकत, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी हज़रत अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अत्तार कादिरी र-जवी दَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَهُ ने उर्दू ज़बान में तहरीर फ़रमाया है।

मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी) ने इस रिसाले को हिन्दी रस्मुल ख़त में तरतीब दे कर पेश किया है और मक-त-बतुल मदीना से शाएअ करवाया है। इस में अगर किसी जगह कमी बेशी पाएं तो मजलिसे तराजिम को (ब ज़रीअए मक्तूब, ई-मेइल या SMS) मुत्तलअ फ़रमा कर सवाब कमाइये।

राबिता : मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी)

मक-त-बतुल मदीना, सिलेक्टेड हाउस, अलिफ़ की मस्जिद के सामने,
तीन दरवाज़ा, अहमदआबाद-1, गुजरात

MO. 9374031409 E-mail : translationmaktabhind@dawateislami.net

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

मेथी के 50 म-दनी फूल

दुरूद शरीफ की फ़ज़ीलत

हज़रते सय्यिदुना उबय्य बिन का'ब رَضِيَ اللهُ تَعَالَى عَنْهُ ने अर्ज़ की, कि मैं (सारे विर्द, वज़ीफ़े छोड़ दूंगा और) अपना सारा वक़्त दुरूद ख़्बानी में सर्फ़ करूंगा। तो सरकारे मदीना صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने फ़रमाया : यह तुम्हारी फ़िक्रें दूर करने के लिये काफ़ी होगा और तुम्हारे गुनाह मुआफ़ कर दिये जाएंगे। (ترمذی ج ٤ ص ٢٠٧ حديث ٢٤٦٥ دار الفكر بيروت)

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ

अल्लाह तअ़ाला की बे शुमार ने'मतों में से एक ने'मत मेथी भी है जो कि सिद्दहते इन्सानी के लिये निहायत मुफ़ीद है और الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّوَجَلَّ मैं (सगे मदीना غَفَى عَنْهُ) ने भी इस से नफ़अ उठाया है लिहाज़ा फ़रमाने मुस्तफ़ा يَا خَيْرَ النَّاسِ مَنْ نَفَعَ النَّاسَ - صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : "इन्सानों में बेहतर वोह है जो लोगों को नफ़अ पहुंचाए।"⁽¹⁾ पर अमल की निय्यत से मेथी के बारे में 50 म-दनी फूल पेश करने की सआदत हासिल करता हूँ। येह बात हमेशा के लिये याद रखिये कि किसी भी शख्स के बताए हुए या किताबों में लिखे हुए बल्कि अहादीसे मुबा-रका में बयान कर्दा इलाज भी माहिर तबीब के मश्वरे के बिगैर नहीं करने चाहिए।

مدینہ

شُعَبُ الْإِيمَانِ ج ٦ ص ١١٧ حديث ٧٦٥٨ دار الكتب العلمية بيروت (1)

फ़रमाने मुस्तफ़ा صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : जिस ने मुझ पर एक बार दुरूदे पाक पढ़ा अल्लाह عُزَّ وَجَلَّ उस पर दस (स) रहमतें भेजता है।

﴿1﴾ **फ़रमाने मुस्तफ़ा** : صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : "मेथी से शिफ़ा हासिल करो।" (1) **मेथी** को अ-रबी में **हुल्बह**, फ़ारसी में शम्बलीला, पश्तो में मल्खूजा और अंग्रेज़ी में (फ़ीनूग्रीक) FENUGREEK बोलते हैं।

﴿2﴾ मेथी में विटामिन B, फ़ोलाद, फ़ासफ़ोरस और कैल्शियम की मौजूदगी जिस्मानी कमजोरी और खून की कमी दूर करती है।

﴿3﴾ **मेथी** दाल की तरह पका कर, या खिचड़ी बना कर, या मेथी का पाउडर चटनी या छाछ में शामिल कर के भी फ़ाएदा हासिल किया जा सकता है।

﴿4﴾ थोड़े बहुत **मेथी** दाने हर तरह की तरकारी वगैरा में ज़रूर डालने चाहिए।

﴿5﴾ मेथी आंखों की पीली रंगत, मुंह की कड़वाहट और दिल ख़राब होने की कैफ़ियत ख़त्म करती है।

﴿6﴾ जिस के मुंह से लुआब या'नी राल बहती हो उस के लिये मेथी का इस्ति'माल हैरत अंगेज़ तासीर रखता है।

दाइमी क़ब्ज़ और पेट की बीमारियों का इलाज

﴿7﴾ मेथी बद हज़्मी, खट्टी डकारें और भूक की कमी दूर करती है।

﴿8﴾ मेथी पेट की हवा ख़ारिज करती और जिगर का फ़े'ल दुरुस्त करती है।

﴿9﴾ आंतों की कमजोरी के सबब अगर दाइमी क़ब्ज़ हो तो 5 ग्राम मेथी का सुफूफ़ (पाउडर) गुड़ में मिला कर सुब्ह व शाम पानी के साथ कुछ दिन तक इस्ति'माल करने से न सिर्फ़ दाइमी क़ब्ज़ दूर होगी बल्कि जिगर

مدینہ
تنزیه الشریعة ج ۲ ص ۲۴۶ دار الکتب العلمیة بیروت (1)

फ़रमाने मुस्तफ़ा عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : उस शख़्स की नाक खाक आलूद हो जिस के पास मेरा ज़िक्र हो और वह मुझ पर दुरूदे पाक न पढ़े । (ترمذی)

को भी ताक़त मिलेगी, اِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ ।

﴿10﴾ मे'दे के अल्सर या अंतड़ियों के ज़ख़म और सूजन में मेथी का इस्ति'माल बहुत मुफ़ीद है ।

﴿11﴾ पेचिश के मरीज़ों के लिये 5 ग्राम (छोटी चम्मच) पिसी हुई मेथी पानी से इस्ति'माल करना मुफ़ीद है ।

﴿12﴾ मेथी पेट के छोटे छोटे कीड़े मारती है ।

﴿13﴾ मेथी के दाने मुसक्कन (या'नी तस्कीन बख़्श), हाज़िम और पेट के तनाव खिंचाव और अफ़रा (या'नी पेट फूलने का मरज़) ख़त्म करते हैं ।

कमर और जोड़ों का दर्द

﴿14﴾ मेथी का इस्ति'माल कमर दर्द, तिल्ली के वरम और गंठिया (जोड़ों के दर्द) वगैरा में नाफ़ेअ (या'नी फ़ाएदा मन्द) है ।

﴿15﴾ मेथी दाने गुड़ के साथ जोश दे कर इस्ति'माल करने से कमर और जोड़ों के दर्द में आराम आता है ।

﴿16﴾ गंठिया (या'नी जोड़ों के दर्द) के लिये मेथी के दस ग्राम ताज़ा पत्ते पानी में पीस कर सुब्ह नहार मुंह इस्ति'माल कीजिये । (मेथी के पत्ते सब्जी वालों से मिल सकते हैं)

ख़ूनी व बादी बवासीर का इलाज

﴿17﴾ मेथी के मुसल्लसल इस्ति'माल से अल्लाह عَزَّوَجَلَّ के फ़ज़ल से बवासीर का ख़ून बन्द हो जाता और बा'ज़ अवकात मस्से (पाइल्स) झड़ जाते हैं । अगर साथ में इन्ज़ीर का भी इस्ति'माल किया जाए तो फ़वाइद में इज़ाफ़ा हो सकता है ।

﴿18﴾ बवासीर के लिये एक नुस्ख़ए ला जवाब येह है कि 250 ग्राम मेथी दाने और 250 ग्राम छोटी इलायची लीजिये और दोनों को बारीक पीस

फरमाने मुस्तफ़ा عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ وَالْوَسْلَمُ : जो मुझ पर दस मरतबा दुरूदे पाक पढ़े अल्लाह عَزَّ وَجَلَّ उस पर सो रहमते नाज़िल फरमाता है। (طریق)

लीजिये। दिन में दो या तीन बार चाय की एक एक चम्मच दूध या पानी के साथ इस्ति'माल कीजिये।

«19» यह नुस्खा मज़क़ूरा तरीके से इस्ति'माल करने से बवासीर के इलावा इन बीमारियों के लिये भी मुफ़ीद है : भूक कम लगना, पुरानी गेस, तबख़ीर (या'नी वोह बुख़ारात जो खाने के बा'द दिमाग़ को चढ़ते हैं और जिस्म को गर्मा देते हैं), बद हज़्मी, खट्टी डकारें आना, सीने की जलन, पेट की जलन, पेट फूलना, खाना खाते ही गुनूदगी या'नी नींद चढ़ना और खाना खाते ही तबीअत में उक्ताहट और बेज़ारी पैदा होना।

«20» खांसी की दवाएं आम तौर पर मे'दा ख़राब करती हैं लिहाज़ा पुरानी खांसी के मरीज़ का दवाओं के इस्ति'माल की वजह से मे'दे की जलन और बद हज़्मी के मरज़ से बचना दुश्वार है, मेथी के इस्ति'माल से न सिर्फ़ खांसी को फ़ाएदा होता है बल्कि मे'दे की भी इस्लाह होती है।

«21» मेथी बलग़म निकालती और फेफड़ों की अन्दरूनी झिल्लियों की हिफ़ाज़त करती है।

«22» मेथी दानों का पाउडर गर्म पानी में घोल कर पीना खांसी और दमे में मुफ़ीद है।

«23» मेथी दाने पानी में हलकी आंच पर ख़ूब अच्छी तरह उबालें, जब काबिले बरदाश्त हो जाए तो उस से गरारे कर लीजिये, اِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ गले की ख़राश और सूजन के लिये मुफ़ीद पाएंगे।

ख़ारिजी सूजन और फोड़ों का इलाज

«24» मेथी दानों का छिलका उतार कर उस का गूदा बतौर लेप (पोलटिस। POULTICE) सूजन या फोड़ों पर बांधने से अल्लाह عَزَّ وَجَلَّ चाहे तो फ़ाएदा हो जाता है।

फ़रमाने मुस्तफ़ा صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : जिस के पास मेरा जिक्र हुवा और उस ने मुझ पर दुरूदे पाक न पढ़ा तहकीक वोह बद बख्त हो गया । (अिन)

मुंह के छाले

﴿25﴾ मुंह के अन्दर, ज़बान के नीचे या होंटों की अन्दरूनी सतह पर छाले हों तो मेथी पका कर खाइये या मेथी के ताज़ा पत्ते पानी में ख़ूब उबाल कर उस के नीम गर्म पानी से सुब्ह व शाम गरारे और कुल्लियां कीजिये **اِنْ شَاءَ اللهُ عَزَّوَجَلَّ** मुंह के छाले ठीक हो जाएंगे ।

शूगर और ज़ियाबीतुस का इलाज

﴿26﴾ मेथी दानों का इस्ति'माल ज़ियाबीतुस (डाया बीटीज़ । DIABETES) के ऐसे मरीज़ों के लिये भी मुफ़ीद है जो "इन्सूलीन" का इस्ति'माल करते हैं । इस दौरान चावल, आलू, गोभी, अरबी, केला और दीगर मीठी अश्या से परहेज़ ज़रूरी है, सुब्ह की चहल क़दमी मुफ़ीद है । मेथी के इस्ति'माल के दौरान एलोपेथिक दवाएं इस्ति'माल हो रही हों तो कोई हरज नहीं ।

﴿27﴾ मेथी दाने दर-दरे (या'नी मोटे मोटे) पिसे हुए 20 ग्राम रोज़ाना खाने से **اِنْ شَاءَ اللهُ عَزَّوَجَلَّ** सिर्फ़ दस दिन के अन्दर ही पेशाब और खून में शूगर की मिक्दार कम हो जाएगी अगर्चे अ़लामाते मरज़ में कमी होने के सबब मरीज़ को खुद भी फ़ाएदे का अन्दाज़ा हो जाता है लेकिन बेहतर है कि हर दस दिन बा'द शूगर का टेस्ट करवा लिया जाए । शूगर के तनासुब से मेथी दानों का इस्ति'माल रोज़ाना 100 ग्राम तक भी किया जा सकता है । इस सिल्लिले में मेथी के बीज दाल की तरह या किसी सब्ज़ी में मिला कर पका कर भी इस्ति'माल किये जा सकते हैं ।

﴿28﴾ मेथी दानों का एक ज़ैली असर (साइड इफ़ेक्ट । SIDE EFFECT) येह है कि बा'ज मरीज़ों का पेट शुरुअ में कुछ फूल जाता है लेकिन बा'द में येह असर खुद ब खुद दूर भी हो जाता है ।

﴿29﴾ लो शूगर के मरीज़ मेथी इस्ति'माल न करें ।

फरमाने मुस्तफ़ा صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : जिस ने मुझ पर सुबह व शाम दस दस बार दुरूदे पाक पढ़ा उसे कियामत के दिन मेरी शफ़ाअत मिलेगी। (उज्ज्वल)

मेथी कोलेस्ट्रॉल में कमी लाती है

﴿30, 31﴾ एक तहकीक़ के मुताबिक़ रोज़ाना मेथी के दाने इस्ति'माल करने से कोलेस्ट्रॉल (CHOLESTEROL) और ट्राई ग्लेस राइड्ज़ (Triglycerides) में कमी आती और दिल की बीमारियों का इम्कान कम हो जाता है।

﴿32﴾ मेथी पेशाब आवर है, गुर्दों की सूजन के सबब जब पेशाब कम आता है तो मेथी के इस्ति'माल से بِفَضْلِهِ تَعَالَى पेशाब खुल कर आता है।

सर्दियों में मेथी के फ़ाएदे

﴿33﴾ सर्दियों में रोज़ाना खाने के बा'द पानी से मेथी दाने छोटा चम्मच आधा इस्ति'माल कर लेने से सर्दियों की अक्सर बीमारियों से हिफ़ाज़त होती है, اِنْ شَاءَ اللهُ عَزَّوَجَلَّ।

﴿34﴾ सर्दी की वजह से पेशाब की तकलीफ़ हो तो मेथी के दाने शहद के साथ इस्ति'माल करने से اِنْ شَاءَ اللهُ عَزَّوَجَلَّ फ़ाएदा होगा।

बाल लम्बे करे, झड़ने से बचाए

﴿35﴾ मेथी दानों को पानी में कुछ देर भिगो कर नर्म कर लेने के बा'द पीस कर हफ़्ते में दो बार सर पर इस तरह लगाएं कि जड़ों में भी लग जाए और कम अज़ कम एक घन्टा लगा रहने दीजिये इस के बा'द सर धो लीजिये, اِنْ شَاءَ اللهُ عَزَّوَجَلَّ बाल गिरने बन्द हो जाएंगे और लम्बे भी होंगे।

﴿36﴾ मेथी के साग या'नी पत्ते चेहरे पर मलने से चेहरा साफ़ होता है।

औरतों की बीमारियां

﴿37﴾ औरत को सिन्ने बुलूग़त की इब्तिदा में माहवारी के सबब बसा अवकात जिस्मानी थकन, कमजोरी, चेहरे पर बे रौनकी और ज़र्दी आ जाती है, माहवारी की ज़ियादती के सबब भी ऐसी अ़लामात पैदा हो

फरमाने मुस्तफ़ा عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ وَالْوَسْمُ وَالْهَوَسْمُ : जिस के पास मेरा जिक्र हुवा और उस ने मुझ पर दुरूद शरीफ़ न पढ़ा उस ने जफ़ा की। (عبدالرزاق)

जाती हैं, ऐसे मौक़अ पर मेथी भून कर गोशत या किसी दूसरी सब्ज़ी के साथ खाने से **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** येह हालत जाती रहेगी।

﴿38﴾ जिन औरतों को बार बार खून आता हो उन के लिये मेथी का इस्ति'माल मुफ़ीद है।

﴿39﴾ मेथी बच्चादानी के वरम (या'नी सूजन) और दर्द वगैरा में फ़ाएदा मन्द है।

﴿40﴾ बच्चे की पैदाइश के बा'द मां का दूध कम पैदा हो रहा हो तो मेथी के बीज थोड़ी सी मिक्दार में या किसी माहिर तबीब के मश्वरे से इस्ति'माल किये जाएं तो दूध की पैदाइश में इज़ाफ़ा हो सकता है।

तबीअत हश्शाश बश्शाश हो

﴿41﴾ मेथी की पत्तियां उबालने के बा'द हलका सा भून कर खाएं तो बदन की एक ख़िल्त सफ़रा (या'नी पित, ज़र्द रंग का कड़वा पानी) की ज़ियादती ख़त्म हो कर तबीअत हश्शाश बश्शाश हो जाती है।

﴿42﴾ मेथी की पत्तियां भूक बढ़ाती हैं।

﴿43﴾ मेथी की पत्तियां कब्ज़ खोलती हैं, इजाबत खुल कर आती है और यूं इन्सान खुद को तरो ताज़ा और हलका फुलका महसूस करता है।

मेथी के क़हवे के म-दनी फूल

﴿44﴾ मेथी का क़हवा (या'नी जोशांदा) बनाना बहुत आसान है, हस्बे ज़रूरत मेथी दाने पानी में डाल कर चूल्हे पर कुछ देर अच्छी तरह जोश दे कर छान लीजिये, क़हवा (जोशांदा) तय्यार है।

﴿45﴾ मेथी का क़हवा खांसी, हल्क़ की सूजन इस की जलन और दर्द में फ़ाएदा करता है।

फ़रमाने मुस्तफ़ा عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ : जो मुझ पर रोज़े जुमुआ दुरूद शरीफ़ पढ़ेगा मैं क़ियामत के दिन उस को शफ़ाअत करूँगा। (جمع الجوامع)

«46» मेथी का क़हवा सांस की घुटन और मे'दे की जलन के लिये मुफ़ीद है।

«47» मेथी का क़हवा, मे'दे और अंतड़ियों की गन्दगियां साफ़ करता और निज़ामे हज़्म से इज़ाफ़ी और नुक्सान देह रतूबतें ख़ारिज करता है।

«48» मेथी का क़हवा पसीना लाता है और अगर खून में किसी क़िस्म के जरासीम की गन्दगी या ज़हर है और उस के सबब बुख़ार आ रहा है तो उसे जिस्म से ख़ारिज करता है नीज़ बुख़ार का दौरानिया भी कम कर देता है।

«49» अ़ाम अमराज़ नज़ला, जुक़ाम और बुख़ार में ख़ाली पेट दिन में तीन चार मर्तबा एक कप मेथी का क़हवा पिया जाए तो إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ दो तीन दिन में येह तक्लीफ़ ख़त्म हो जाएगी।

«50» अगर मुंह में बदबू आती हो, जिस्म के किसी हिस्से म-सलन नाक कान वगैरा में बदबूदार मवाद जम्अ हो जाता हो, पेट से सख़्त बदबूदार हवा ख़ारिज होती रहती हो, बदन से पसीने की तेज़ बदबू निकलती हो तो मेथी का क़हवा मुसल्लसल चन्द रोज़ तक इस्ति'माल कीजिये, إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ येह आप के जिस्म से सारे फ़ासिद और ज़हरीले मादे ख़ारिज कर देगा और बदबू की शिकायत जाती रहेगी।

गुटका ख़ोर के तबाह हाल मुंह का इलाज हो गया !

(हिकायत)

एक साहिब के बयान का खुलासा है : मैं ने तक़रीबन 20 साल पान गुटके खाए हैं और इस क़दर कसरत से खाए हैं कि नमाज़ और खाना खाने के इलावा मेरा मुंह कभी ख़ाली नहीं रहता था ! اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ अब चार साल से पान गुटके बिल्कुल छूट गए हैं, छोड़ने की वजह येह बनी

फरमाने मुस्तफ़ा صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : जिस के पास मेरा जिक्र हुआ और उस ने मुझ पर दुरूदे पाक न पढ़ा उस ने जन्नत का रास्ता छोड़ दिया। (طبرانی)

कि मेरा मुंह अन्दर से कच्चा हो कर बिल्कुल गल गया था, मैं सालन तो सालन दही से भी रोटी नहीं खा सकता था, सालन और दही से मेरे मुंह में जलन मचती थी। बिगैर नमक मिर्च के सिर्फ़ सादा खिचड़ी खाता था, मेरा मुंह भी सहीह तरीके से नहीं खुलता था। जब ये बात मेरे सामने आई कि पान गुटके वगैरा से मुंह का केन्सर होता है, मैं बहुत परेशान हो गया।

एक बार किसी 70 सालह बूढ़े चोकीदार से मुलाक़ात पर मैं ने अपनी परेशानी बयान की, उस ने कहा : बाज़ार से दस रुपै की फटकरी और दस रुपै के मेथरे (या'नी मेथी दाने) जो कि अचार में डाले जाते हैं वोह ले आओ और येह दोनों दवाएं एक स्टील के बरतन में चार लीटर पानी के अन्दर डाल कर चूल्हे पर हलकी आंच पर रख दो, फटकरी भी पानी में हल हो जाएगी और मेथरे (या'नी मेथी दाने) भी पानी में फट जाएंगे, जब एक लीटर पानी जल जाए, या'नी तीन लीटर पानी रह जाए तो चूल्हे से उतार लो और ठन्डा होने पर उस को बोटलों में भर कर धूप से बचा कर साएं में ठन्डी जगह पर रख दो मगर फ्रीज में न रखना और सुब्ह नहार मुंह (या'नी नाश्ते से कब्ल ख़ाली पेट) थोड़ा पानी मुंह में रोक रोक कर ग़रारे और कुल्लियां करो, इसी तरह दिन में चार पांच मर्तबा और सोते वक़्त भी करना है और परहेज़ येह बताया कि कुल्ली और ग़रारे करने के बा'द कम अज़ कम आधे घन्टे तक कोई चीज़ खानी पीनी नहीं है।

बड़े साहिब ने बताया कि **فटकरी** से मुंह और गले के तमाम जरासीम ख़त्म हो जाएंगे और **मेथरों** (या'नी मेथी दानों) से मुंह और गले के सारे ज़ख़्म सहीह हो जाएंगे और बस एक हफ़्ते की बात है इस के बा'द जो मरजी है खाओ पियो **إِنْ شَاءَ اللهُ عَزَّوَجَلَّ** कोई रुकावट नहीं पड़ेगी।

फ़रमाने मुस्तफ़ा صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : मुझे पर दुरूदे पाक की कसरत करो बेशक तुम्हारा मुझे पर दुरूदे पाक पढ़ना तुम्हारे लिये पाकीजगी का बाइस है। (ابن سنی)

मैं ने येह नुस्खा उसी दिन बना कर इस्ति'माल करना शुरू कर दिया और اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ एक हफ़्ते के अन्दर मेरा मुंह सहीह होना शुरू हो गया, मुंह के ज़ख़म भर कर ख़त्म होना शुरू हो गए और फिर मैं ने इस नुस्खे के बा'द एक और नुस्खा भी इस्ति'माल करना शुरू कर दिया। वोह नुस्खा पोदीने का था क्यूं कि मैं ने पढ़ा था कि पोदीना एन्टी एलर्जिक (ANTI-ALLERGIC) है और मुझे याद पड़ता है कि कहीं येह भी पढ़ा था कि पोदीना केन्सर को ख़त्म करता है लिहाजा मैं ने पोदीना सुखा कर बोटल में डाल लिया और दिन में कई बार दो² दो² चुटकियां ले कर मुंह में डाल कर ख़ूब चूस चूस और चबा चबा कर खाता मा'मूली सी जलन होती मगर اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ मेरा मुंह बिल्कुल साफ़ हो गया। कहां मैं मा'मूली सी मिर्च भी न खा सकता था मगर अब मेरा मुंह बिल्कुल पहले जैसा हो गया है, जैसे मैं ने कभी पान और गुटके खाए ही नहीं और अब اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ पान गुटकों से हमेशा के लिये कान पकड़ लिये हैं। जबड़े तो मेरे ज़ियादा मु-तअस्सिर नहीं हुए थे मगर फिर भी मैं ने नमाज़ से पहले दांतों में मिस्वाक शुरू कर दी, मिस्वाक को दांतों में दबा कर जबड़े हलके हलके चलाता जिस से वोह भी अपनी अस्ल हालत पर आ गए हैं और اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ मैं बिल्कुल सिहहत याब हो चुका हूं और उस मुंह के मूजी मरज़ से मुझे नजात मिल गई है। (पान गुटके वगैरा की तबाह कारियां जानने के लिये मक-त-बतुल मदीना का मत्बूआ रिसाला "पान गुटका" का मुता-लआ फ़रमाइये)

صَلُّوا عَلَيَّ الْحَبِيبِ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيَّ مُحَمَّدٍ

आंखों के नम्बर और मोतिया ख़त्म हो गया! (हिकायत)

किसी का बयान है : मेरे भाई की नज़र रोज़ बरोज़ कमज़ोर होती

फरमाने मुस्तफ़ा عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ : जिस के पास मेरा जिक्र हो और वोह मुझ पर दुरूद शरीफ़ न पढ़े तो वोह लोगों में से कन्जूस तरीन शख्स है। (مسند احمد)

और चश्मे के नम्बर बढ़ते चले जा रहे थे, उन्होंने ने किसी के मश्वरे के मुताबिक़ अमल किया तो الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّوَجَلَّ उन की नज़र दुरुस्त हो गई ! हमारी नानीजान की आंखों में सफ़ेद मोतिया उतर आया, जब उन्होंने ने इस नुस्खे पर अमल किया तो الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّوَجَلَّ उन की नज़र भी बहाल हो गई ! इलाज का तरीका : ख़ालिस आबे ज़मज़म किसी ख़ाली ड्रोपर में डाल लीजिये और पांचों नमाज़ों के बा'द दोनों आंखों में एक एक क़तरा डालिये अगर आंखें ख़राब हुईं तो जलन होगी मगर घबराइये नहीं जूँ जूँ आंखें ठीक होती जाएंगी إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ जलन कम होती जाएगी। (मुद्दते इलाज : ता हुसूले शिफ़ा)

स्कूटर के पेट्रोल में ब-र-कत की हिकायत

एक साहिब का बयान है : मैं अपनी मोटर साइकिल में 8 लीटर पेट्रोल डलवाता था जो सिर्फ़ एक हफ़्ता चलता था। फिर मैं ने पेट्रोल डलवाने से पहले अक्वल आख़िर दुरूद शरीफ़ के साथ सात बार सू-रतुल कौसर पढ़ कर पेट्रोल की टंकी पर दम करना शुरू कर दिया, الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّوَجَلَّ अब वोही 8 लीटर पेट्रोल तीन हफ़्ते चल जाता है।

येह रिसाला पढ़ कर दूसरे को दे दीजिये

शादी ग़मी की तक्रीबात, इज्तिमाआत, आ'रास और जुलूसे मीलाद वगैरा में मक-त-बतुल मदीना के शाएअ कर्दा रसाइल और म-दनी फूलों पर मुशतमिल पेम्फ़लेट तक्सीम कर के सवाब कमाइये, गाहकों को ब नित्यते सवाब तोहफ़े में देने के लिये अपनी दुकानों पर भी रसाइल रखने का मा'मूल बनाइये, अख़बार फ़रोशों या बच्चों के ज़रीए अपने महल्ले के घर घर में माहाना कम अज़ कम एक अदद सुन्नतों भरा रिसाला या म-दनी फूलों का पेम्फ़लेट पहुंचा कर नेकी की दा'वत की धूमें मचाइये और ख़ूब सवाब कमाइये।

ग़मे मदीना, बकीअ, मग़िफ़रत और बे हिसाब जन्नतुल फ़िरदौस में आका के पड़ोस का तालिब



25 र-मज़ानुल मुबारक 1435 सि.हि.
24-07-2014

सुन्नत की बहारे

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ مُرَزَّل तबलीगे कुरआनो सुन्नत की आलमगीर गैर सियासी तहरीक दा 'वते इस्लामी के महके महके म-दनी माहोल में ब कसरत सुन्नतें सीखी और सिखाई जाती हैं, हर जुमा'रात इशा की नमाज़ के बा'द आप के शहर में होने वाले दा'वते इस्लामी के हफ्तावार सुन्नतों भरे इत्तिमाअ में रिज़ाए इलाही के लिये अच्छी अच्छी निव्यतों के साथ सारी रात गुज़ारने की म-दनी इत्तिजा है। आशिकाने रसूल के म-दनी काफिलों में ब निव्यते सवाब सुन्नतों की तरबिव्यत के लिये सफ़र और रोज़ाना फ़िक्रे मदीना के ज़रीए म-दनी इन्आमात का रिसाला पुर कर के हर म-दनी माह के इब्तिदाई दस दिन के अन्दर अन्दर अपने यहां के जिम्मेदार को जम्अ करवाने का मा'मूल बना लीजिये, اِنَّ شَاءَ اللّٰهُ مُرَزَّل, इस की ब-र-कत से पाबन्दे सुन्नत बनने, गुनाहों से नफ़रत करने और ईमान की हिफ़ाज़त के लिये कुदने का ज़ेहन बनेगा।

हर इस्लामी भाई अपना येह ज़ेहन बनाए कि "मुझे अपनी और सारी दुन्या के लोगों की इस्लाह की कोशिश करनी है। اِنَّ شَاءَ اللّٰهُ مُرَزَّل" अपनी इस्लाह की कोशिश के लिये "म-दनी इन्आमात" पर अमल और सारी दुन्या के लोगों की इस्लाह की कोशिश के लिये "म-दनी काफिलों" में सफ़र करना है। اِنَّ شَاءَ اللّٰهُ مُرَزَّل



मक-त-बतुल मदीना®

दा 'वते इस्लामी

फैज़ाने मदीना, त्री कोनिया बगीचे के सामने, मिरज़ापूर, अहममदाबाद-1, गुजरात, इन्डिया
Mo.091 93271 68200 E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net